Title: Need to ensure that Rudraprayag Guptakashi and Karnaprayag Gwaldam National Highway is maintained by Border Roads Organisation.

15.19 hrs.

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खण्डूरी (गढ़वाल) : उपाध्यक्ष महोदय, राष्ट्रीय राजमार्ग ऋषिकेश-श्रीनगर-रुद्रप्रयाग-कर्णप्रयाग-जोशीमठ-बद्रीनाथ एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। इस सड़क पर धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से हर साल लाखों आदमी जाते हैं। साथ ही राष्ट्र की सुरक्षा की दृष्टि से भी यह मार्ग अति महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में हमारी सीमायें तिब्बत से लगती हैं और इस क्षेत्र में चीन के साथ एक विवादित क्षेत्र (बाराहोती) भी पड़ता है। सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण इस सड़क का रख-रखाव सीमा सड़क संगठन (बी.आर.ओ.) को दिया गया है। जहां तक धार्मिक और पर्यटन का संदर्भ है, इस क्षेत्र में हिन्दुओं के धार्मिक स्थान बद्रीनाथ-केदारनाथ और सिक्खों का धार्मिक स्थान हेमकुण्ड साहिब हैं। हर साल देश और विदेश से लोग लाखों की संख्या में इस सड़क का इस्तेमाल करते हैं।

बरसात के समय पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण इस सड़क में अनेक स्थानों पर व्यवधान पड़ता है और यातायात कई दिनों तक बंद हो जाता है। हालांकि सीमा सड़क संगठन का काम सराहनीय रहता है फिर भी राष्ट्र सुरक्षा और पर्यटकों की सुविधा की दृष्टि को ध्यान में रखते हुये यह आवश्यक है कि इस मार्ग के साथ और दूसरी सड़कों को भी खुला रखा जाये, जो बाई पास की जैसा काम करे। इस दृष्टि से दो सड़क महत्वपूर्ण और उपयोगी हैं।

१. रुद्रप्रयाग गुप्तकाशीः इस सड़क से रुद्रप्रयाग और चमोली के बीच कोई भी व्यवधान पड़ने पर ऊखीमठ से चमोली के लिये दूसरी सड़क उपलब्ध है।

२ र्णप्रयाग-ग्वालदमः कर्णप्रयाग तक कोई भी सड़क व्यवधान आने पर रानीखेत ग्वालदम-कर्णप्रयाग सड़क का बाई पास की जैसी उपयोग की जा सकती है।

इन दोनों सड़कों का रख-रखाव उत्तर प्रदेश के सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है।

अतः मेरा भूतल परिवहन मंत्री जी से आग्रह है कि वह इन दोनों सड़कों को सीमा सड़क संगठन (बी.आर.ओ.) को रख-रखाव के लिये सन् २००० से पहले दिया जाये।

इसके लिये उत्तर प्रदेश सरकार से बातचीत की जाये और जरूरत हो तो रक्षा मंत्री जी से भी सलाह ली जाये।

&nb